RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

मोदी चिंता ना करें, हम हैं पक्के यार।
कोई भी हमला करे, हम झेलेंगे वार।
हम झेलेंगे वार, ट्रंप का पक्का वादा।
कौन करे चूं-चपड़, यहां के हम हैं दादा।
कह साहिल कविराय, ट्रंप जी बड़े विनोदी।
टैरिफ को दो भुला, यार हम पक्के मोदी।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 146 | FRIDAY DATE 19-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

जो जुड़ता है उसको भाजपा रोकती नहीं और जो टूटता है उसे टोकती नहीं: नकवी

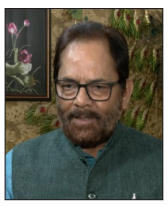

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात, कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कोटा दौरे, विपक्षी सांसदों के भाजपा में शामिल होने के दावों और धार्मिक रीति-रिवाजों पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कोटा दौरे पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'मैंने कोटा में भी वही चीज देखी। वहां लाइट-एंड-साउंड शो हो रहा था और प्रजेंटेशन के दौरान मैंने देखा कि वहां इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी जैसी चीजें थीं। 'जेन जी' के लिए हीरो बनने की इस चाहत और सोच के पीछे सिर्फ एक ही वजह है, अभी कॉकरोच और कांग्रेस के बीच इस बात की होड़ मची है कि कौन खुद को देश का सबसे बड़ा क्रांतिकारी साबित कर सकता है।

पंजाब के विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दूंगा: मान

अमृतसर, यूटर्न/ 18 जून । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब अब पिछली सरकारों की गलतियों और बुरे कार्यों का शिकार नहीं बनेगा, बल्कि विकास, मौकों और समृद्धि के एक नए युग की ओर निरंतर बढ़ रहा है। होशियारपुर के टांडा स्थित भट्टलां गांव में उन्होंने कहा कि उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और मेहनती लोगों के बावजूद, पिछली सरकारों ने राज्य के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी, जिसके कारण पंजाब अपनी पूरी क्षमता से विकास नहीं कर सका। मुख्यमंत्री मान ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने तथा एक ऐसा रंगला पंजाब सृजित करने की बात कही, जहाँ किसी भी युवा को बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों की ओर जाने की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने अपनी सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर कहा कि बरगाड़ी बेअदबी और बहिबल कलां-कोटकपूरा गोलीकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा कर जेल भेजा जाएगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास समावेशिता, सुरक्षा और जनहित के मूल सिद्धांतों पर होना चाहिए: मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 देशों के सामने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में भारत के 'मानव' विजन का उल्लेख करते हुए कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास समावेशिता, सुरक्षा और जनहित के मूल सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। जी-7 देशों के 52 वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए फ्रांस यात्रा पर गये श्री मोदी ने बुधवार रात फ्रांस के एवियन में 'इंश्योरिंग ए सेफ, रैपिड एंड एफिशिएंट रोल आउट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसह्व विषय पर आयोजित आउटरीच सत्र को संबोधित किया। श्री मोदी ने कहा कि एआई एक परिवर्तनकारी शक्ति है जिसमें मानव सभ्यता की दिशा को फिर से परिभाषित करने की क्षमता है, लेकिन इसे लोगों को सशक्त बनाने वाला भी होना चाहिए। उन्होंने विस्तार से बताया कि इसी व्यापक सोच के साथ भारत ने हाल ही में एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री ने एआई के लिए भारत के 'मानव' विजन को रेखांकित किया, जो इस बात पर जोर देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास समावेशिता, सुरक्षा और जनहित के मूल सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए।

परीक्षा केंद्रों पर अभिभावकों के लिए विशेष इंतजाम : रेखा गुप्ता : रेखा गुप्ता

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली सरकार केवल परीक्षा केंद्रों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भीषण गर्मी से आमजन को राहत पहुंचाने के लिए पहले से व्यापक इंतजाम कर रही है। श्रीमती गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि यह पहली बार है जब परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने वालों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिजनों के आराम एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए कूलिंग जोन बनाए जा रहे हैं, जहां उनके बैठने की सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शिकंजी आदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के लिए कुल 97 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 69 सरकारी विद्यालय में तथा 28 केंद्रीय विद्यालयों में हैं।

इन परीक्षा केंद्रों के आसपास जिला प्रशासन द्वारा विशेष कूलिंग जोन स्थापित किए जा रहे हैं, जहां अभिभावकों और परिजनों के बैठने, विश्राम करने तथा गर्मी से राहत पाने की समुचित व्यवस्था रहेगी।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष लाखों परिवार अपने बच्चों के भविष्य के सपनों के साथ परीक्षा केंद्रों तक पहुंचते हैं।

परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी तो केंद्र के भीतर होते हैं, लेकिन बाहर कई घंटे तक प्रतीक्षा कर रहे माता-पिता की चिंता, धूप, गर्मी और असुविधा पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता। दिल्ली सरकार ने इस मानवीय पहलू को समझते हुए यह निर्णय लिया है कि परीक्षा के दिन अभिभावकों को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अब तक अक्सर देखा जाता था कि परीक्षा के दौरान परिजन कभी किसी पेड़ की छांव तलाशते थे, कभी पार्क में बैठकर समय बिताते थे, तो कभी आसपास की बाजारों में इधर-उधर भटकते रहते थे। कई लोगों को भीषण गर्मी में लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता था। परीक्षा केंद्रों के बाहर ही उनके लिए आरामदायक प्रतीक्षा व्यवस्था उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिकारी सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास कूलिंग जोन की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।

इन कूलिंग जोन में बैठने की सुविधा, स्वच्छ पेयजल, शिकंजी, ओआरएस, चाय तथा प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी ताकि अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल परीक्षा का सफल आयोजन नहीं, बल्कि परीक्षा से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के अनुभव को बेहतर बनाना है।

दिल्ली में लगाए गए 42 जगह जन कल्याण शिविर, 20 जून तक जनसमस्याएं सुनकर सरकार करेगी समाधान

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल और दिल्ली सरकार के एक साल पूरे होने के मौके पर तीन दिवसीय 'जन कल्याण शिविर' का आयोजन किया गया है। इस शिविर में दिल्ली के लोग अपनी समस्याओं को लेकर जा सकते हैं, जहां पर उनका समाधान किया जाएगा। हर विभाग की ओर से इस शिविर के तहत काउंटर स्थापित किए गए हैं, जहां लोग अपनी समस्याओं को लेकर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खुद इस बारे में पत्रकारों से बातचीत में जानकारी दी। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने के मौके पर इस शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 18, 19 और 20 जून का आयोजित किया जाएगा, जिसमें लोगों की समस्याओं को सुना जा रहा है। दिल्ली में 42 जगहों पर इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के तहत हम यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गई योजनाओं का लाभ दिल्ली के लोगों को मिल रहा है की नहीं? अगर कहीं पर किसी भी प्रकार की दिक्कत हो रही है, तो निश्चित तौर पर उसका समाधान करने की दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं करेगी।

राउत के बयानों का जवाब देना उचित नहीं : रिजिजू

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शिवसेना (यूबीटी) में जारी राजनीतिक घटनाक्रम के बीच राज्यसभा सदस्य संजय राउत की टिप्पणियों को स्तरहीन बताते हुए उन पर प्रतिक्रिया देने से इनकार किया और कहा कि उनके आरोपों और अपशब्दों का जवाब देना उचित नहीं होगा। श्री रिजिजू ने गुरुवार को यहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, 'संसद में जो कुछ हो रहा है, वह सभी देख रहे हैं। मुझे अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं है। यदि हम संजय राउत के बयानों का जवाब देंगे तो यह अच्छा नहीं लगेगा, क्योंकि हर सांसद अपने क्षेत्र, अपने भविष्य और अपनी राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार सोचता और काम करता है। हर दल का अपना काम करने का तरीका होता है। उन्होंने कहा, 'मैं यह टिप्पणी नहीं कर सकता कि शिवसेना के किस सांसद को क्या करना चाहिए। संसद में लाए जाने वाले विधेयकों पर हम सभी सांसदों का सहयोग चाहते हैं, लेकिन यदि संजय राउत किसी पर आरोप लगाते हैं या अपशब्दों का प्रयोग करते हैं तो उनका जवाब देना उचित नहीं होगा।

आप ने पेपर लीक रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । आम आदमी पार्टी (आप) ने नीट परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए केंद्र सरकार की ओर से उठाये जा रहे कदमों पर सवाल खड़े किये हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि सरकार की प्राथमिकता पेपर लीक रोकना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक का कारोबार अरबों-खरबों रुपये का है और इसके पीछे प्रभावशाली लोगों का संरक्षण है। उन्होंने दावा किया कि यदि सरकार वास्तव में इस समस्या को समाप्त करना चाहती तो अब तक प्रभावी और स्थायी कदम उठाये जा चुके होते। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक से होने वाली कमाई का इस्तेमाल राजनीतिक गतिविधियों और जनप्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक इस पूरे तंत्र को नहीं बदला जायेगा, तब तक पेपर लीक की घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं।

पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़, पांच नवजात शिशुओं का रेस्क्यू

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को मानव तस्करी से जुड़े एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो बच्चों की तस्करी में संलिप्त था। इस गिरोह में संलिप्त 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से तस्कर, मध्यस्थ, खरीदार और एक अस्पताल मालिक शामिल थे। इस दौरान पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा और मध्य प्रदेश से पुलिस ने छह नवजात शिशुओं को भी रेस्क्यू किया है।

गरीबों के लिए नहीं, माफिया के मरने पर निकलते हैं सपा-कांग्रेस नेताओं के आंसू : योगी

» **उन्नाव, यूटर्न/ 18 जून ।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गत 12 वर्षों में देश में और 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने जो कार्य किया, वह कांग्रेस व सपा सरकारें नहीं कर सकीं, क्योंकि भ्रष्ट व क्षमता विहीन ये लोग गरीब के बारे में नहीं, केवल अपने परिवार के बारे में सोचते थे। कांग्रेस ने नेहरू-गांधी परिवार से बाहर कभी नहीं सोचा और सपा के लिए केवल सैफई ही परिवार था। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को घर और 140 करोड़ लोगों को ही परिवार माना है। मेरे लिए उत्तर प्रदेश घर और 25 करोड़ लोग परिवार के सदस्य हैं। उनकी समृद्धि के लिए कार्य करना ही हमारा मिशन है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को 570 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 101 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने ग्राम पंचायत डीह, भवानी खेड़ा चौराहा, हिंदु खेड़ा उन्नाव में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। सीएम ने स्थानीय लोगों को जानकारी दी कि वीर शहीद गुलाब सिंह लोधी की स्मृति में निर्मित पुलिस ट्रेनिंग स्कूल की क्षमता भी दोगुनी कर दी गई है। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार के समय गरीब या अन्य राजनीतिक दल आवाज उठाते थे तो इनके गुंडे व माफिया उनकी आवाज दबाने के साथ ही व्यापारियों का अपहरण कर प्रदेश में अराजकता का तांडव करते थे।

जनकल्याण शिविरों से दिल्ली सरकार अपने साथ ही केन्द्र सरकार की योजनाएं जनता के द्वार लायी है: मल्होत्रा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि जनकल्याण शिविरों के माध्यम से रेखा गुप्ता सरकार अपने साथ ही केन्द्र सरकार की बहुत सी योजनाओं और सुविधाओं को सीधे जनता के द्वार ले आई है और जनता आज उन्हें आशीर्वाद दे रही है सरकारी योजनाओं का लाभ नागरिकों के घर तक पहुंचाने के उदेश्य से दिल्ली सरकार ने यहां के विभिन्न स्थानों पर 42 जनकल्याण शिविर लगाये हैं। ये शिविर 20 जून तक चलेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुबह 9.15 बजे शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में पहले जनकल्याण शिविर का उद्घाटन किया, जिसके बाद श्री मल्होत्रा ने विश्वास नगर विधानसभा में इस शिविर का उद्घाटन किया।

वहीं, दिल्ली विधानसभाध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने रोहिणी विधानसभा में जनकल्याण शिविर का उद्घाटन किया। इस अभियान के तहत दिल्ली के सभी लोकसभा तथा राज्यसभा सांसदों, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, विधायकों, महापौर, उपमहापौर, नयी दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) सदस्यों के अलावा प्रदेश महामंत्री और अन्य पदाधिकारियों ने जनकल्याण शिविरों का उद्घाटन किया। श्री मल्होत्रा ने आज विश्वास नगर विधानसभा में दिल्ली सरकार के द्वारा आयोजित जनकल्याण शिविर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक श्री ओमप्रकाश शर्मा, श्री अभय वर्मा एवं श्री संजय गोयल, दिल्ली की उपमहापौर डा. मोनिका पंत, भाजपा के शाहदरा जिलाध्यक्ष श्री दीपक गाबा और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तपस्या से मिला नया राज्य और वैश्य धर्म का वरदान : बजरंग गर्ग

माता लक्ष्मी जी ने महाराजा अग्रसेन को वरदान दिया था कि हमेशा आपके कुल में मेरा वास रहेगा- बजरंग गर्ग

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 18 जून । अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी की व अग्र भागवत कथा का दूसरे दिन अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग के नेतृत्व में हुई। जिसमें भारी संख्या में धर्म प्रेमियों ने भाग लिया। बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा की पौराणिक मान्यताओं व ऐतिहासिक ग्रंथों के अनुसार महाराजा अग्रसेन भगवान श्री राम के वंशज थे। महाराजा अग्रसेन जी का इतिहास अग्रोहा धर्म नगर से जुड़ा हुआ है। महाराजा अग्रसेन जी का महल जो टीलें के रूप में बदल चुका है। अग्रोहा टीलें की पूरी खुदाई होने पर महाराजा अग्रसेन जी के इतिहास की पूरी जानकारी मिलेगी।

बजरंग गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने अपनी प्रजा की समृद्धि के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें माता महालक्ष्मी की आराधना करने की सलाह दी। महाराजा अग्रसेन की तपस्या के फल स्वरुप माता लक्ष्मी ने उन्हें नया राज्य स्थापित करने व वैश्य धर्म अपनाने का वरदान दिया। माता लक्ष्मी जी ने महाराजा अग्रसेन को वरदान दिया था कि हमेशा आपके कुल में मेरा वास रहेगा इसलिए अग्रवाल समाज माता लक्ष्मी को अपनी कुलदेवी मानता है।

संक्षिप्त खबरें

कार का शीशा तोड़ कर हजारों की नकदी व सामान चोरी

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 18 जून । शक्ति खंड-2 निवासी दीपक सिंह की कार का शीशा तोड़ कर चोरों ने 10 हजार रुपये व अन्य सामान चोरी कर लिया। मामला 13 जून की रात का है, पुलिस ने 16 जून की रात प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। दर्ज मामले में दीपक सिंह ने बताया कि वसुंधरा सेक्टर-पांच स्थित मन्नत ग्रेड गए थे। जब कुछ देर बाद वह गाड़ी के पास वापस आए तो कार का शीशा टूटा मिला। गाड़ी में रखे दो बैग गायब थे। उन्होंने बताया कि लैपटॉप, उनका व उनकी पत्नी का पासपोर्ट, 10 हजार रुपये, दोनों के शैक्षणिक दस्तावेज गायब थे। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पार्किंग के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। ब्यूरो

निजी कंपनी का अकाउंटेंट 12 दिन से लापता

साहिबाबाद, यूटर्न/ 18 जून । थानाक्षेत्र स्थित अर्थला निवासी और निजी कंपनी के अकाउंटेंट अंकित 12 दिन से लापता हैं और अब तक उनका कुछ भी पता नहीं चला है। 6 जून को वह ड्यूटी के लिए निकले थे। देर रात तक वापस नहीं आने पर परिजन ने परिचित और रिश्तेदारी में पूछताछ की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। अर्थला निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि बेटा अंकित दिल्ली के झिलमिल स्थित निजी कंपनी में बतौर अकाउंटेंट कार्यरत हैं। 6 जून की सुबह करीब 10 बजे अंकित ड्यूटी जाने के लिए घर से निकले और जब देर रात जक वह घर नहीं लौटे तो उनके मोबाइल नंबर पर कॉल की, लेकिन फोन नहीं लगा। इसके बाद परिवार वालों ने कंपनी में पूछताछ की तो जानकारी मिली की अंकित ड्यूटी पर पहुंचे ही नहीं थे। रिश्तेदार और परिचितों से पता करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक की मौत

साहिबाबाद, यूटर्न/ 18 जून । लिंकरोड थानाक्षेत्र स्थित रैपिड स्टेशन के पास हुए सड़क हादसे में गाजियाबाद कोतवाली क्षेत्र में कैला भट्टा स्थित इस्लामनगर निवासी इमरान की मौत हो गई। हादसा 11 जून को हुआ था, पुलिस ने 16 जून को उनके भाई समीर की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दर्ज मामले में समीर ने बताया कि भाई इमरान लिंकरोड क्षेत्र स्थित कंपनी में नौकरी करता था। 11 जून को ड्यूटी करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था।

जमीनी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन को किया और सशक्त : बृजलाल बहबलपुरिया

कांग्रेस भवन हिसार में नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों का जोरदार स्वागत

» हरियाणा, यूटर्न/ 18 जून ।

कांग्रेस भवन हिसार में नलवा से पूर्व प्रत्याशी रहे अनिल मान नलवा के साथ आए नलवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रमेश श्योराण एवं हिसार-प्रथम ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश इंदौरा का जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जमीनी स्तर पर लंबे समय से संगठन के लिए कार्य कर रहे समर्पित कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगे तथा कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। रमेश श्योराण एवं जगदीश इंदौरा ने पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। एआईसीसी सदस्य राजेश सांदलाना ने कहा कि मैं कांग्रेस हाईकमान का धन्यवाद करता हूं। साथ ही विशेष रूप से अपने प्रिय एवं अजीज भाई वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला जी का विशेष तौर पर आभार व्यक्त करता हूं, जिनका जिला संगठन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य, बीते 3 दिनों में 1.47 करोड़ एलपीजी सिलेंडर डिलीवर हुए

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि वर्तमान में देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और बीते 3 दिनों में 1.47 करोड़ एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी हुई है। इस दौरान 1.36 करोड़ सिलेंडर बुक हुए। देश में ईंधन की आपूर्ति ऐसे समय पर सामान्य बनी हुई है, जब मध्य पूर्व में तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखलाएं रुकावट का समाना कर रही हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि देश में किसी भी वितरक के पास गैस खत्म होने की सूचना नहीं मिली है। वितरक स्तर पर सिलेंडर के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए, ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग लगभग 99 प्रतिशत तक और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के जरिए डिलीवरी लगभग 96 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इस साल मार्च से अब तक लगभग 10.02 लाख पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं और अतिरिक्त 3.22 लाख कनेक्शन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शन की संख्या 13.24 लाख हो गई है। केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपील कर रही है कि जिन इलाकों में नेटवर्क उपलब्ध है, वहां एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

दक्षिण-पूर्व दिल्ली में सनसनी: घर के अंदर महिला की हत्या, डॉक्टर हिरासत में

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । दक्षिण-पूर्व दिल्ली के अमर कॉलोनी पुलिस स्टेशन इलाके के कैलाश हिल्स के एक घर में महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला गुरुवार को सामने आया। मृतका के घर से एक बैट और चाकू बरामद किया गया है। घटना को लेकर शक है कि आरोपी ने महिला पर बैट और चाकू से हमला किया। वहीं, इस हत्याकांड में चौका देने वाली बात यह है कि महिला की हत्या करने के बाद आरोपी मौके से भागा नहीं, वह वहीं मौजूद था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी को पकड़ लिया गया है और उससे पूछताछ चल रही है। मृतक महिला की पहचान मीना के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 45 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, मीना घर के पास में ही एक डॉक्टर के क्लिनिक में पिछले 10 वर्षों से काम करती थी। क्लिनिक के डॉक्टर का नाम मनीष गुप्ता है, जिसके ऊपर आरोप है कि उसने महिला के सिर पर पहले बैट मारा और उसके बाद धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इन आरोपों के बाद डॉक्टर मनीष गुप्ता को पुलिस ने हिरासत में लिया है.

जमीनी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन को किया और सशक्त : बृजलाल बहबलपुरिया

हरियाणा, यूटर्न/ 18 जून । कांग्रेस भवन हिसार में नलवा से पूर्व प्रत्याशी रहे अनिल मान नलवा के साथ आए नलवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रमेश श्योराण एवं हिसार-प्रथम ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश इंदौरा का जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जमीनी स्तर पर लंबे समय से संगठन के लिए कार्य कर रहे समर्पित कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगे तथा कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। रमेश श्योराण एवं जगदीश इंदौरा ने पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। एआईसीसी सदस्य राजेश सांदलाना ने कहा कि मैं कांग्रेस हाईकमान का धन्यवाद करता हूं।

दोस्त से खरीदी पिस्टल से खुशी को मारी तीन गोलियां, एक गोली निधि को लगी

» खोड़ा, यूटर्न/ 18 जून ।

शादी टूटने से नाराज पूर्व मंगेतर जॉनी खुशी की हत्या करने की ठानकर ही वारदात के लिए दोस्त से पिस्टल खरीदी थी। वह खुशी के घर पहुंचा और उसके पेट कंधे व पैर में तीन गोलियां मारी। इसी दौरान बीच-बचाव करने आई निधि को भी एक गोली लग गई। उसने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह केवल खुशी की हत्या करने के लिए गया था। साथ ही कहा कि वीडियो जारी करने के पीछे मकसद केवल पुलिस एनकाउंटर से बचना था। अब पुलिस जॉनी को पिस्टल मुहैया कराने वाले दोस्त की तलाश में जुट गई है। उधर, पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपी जॉनी के खिलाफ हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद के नए बस अड्डा निवासी जॉनी और खोड़ा के आदर्श नगर स्थित वाल्मीकि चौक निवासी खुशी की शादी करीब दो वर्ष पहले तय हुई थी। जॉनी का कहना है कि उससे चार लाख रुपये युवती के परिजन ने लिए। इसके बाद उम्र का बहाना बनाकर शादी तोड़ दी और रुपये भी वापस नहीं किए। कई बार पंचायत करके भी समझाया, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद ही उसने खुशी की हत्या की साजिश रची और दोस्त से पिस्टल मुहैया कराने को कहा। दोस्त से ली पिस्टल के बाद ही वह 16 जून की शाम खुशी के घर पहुंचा। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने यह भी बताया कि वारदात के बाद वह दोस्त के साथ कैब से भागा और बीच रास्ते में उसका भाई भी कार में बैठ गया। उसे पुलिस एनकाउंटर का डर सता रहा था। इसलिए उसने कार में भाई से वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर वायरल की थी। मूलरूप से जितेंद्र बागपत के रमाला गांव का रहने वाले हैं। खुशी घर के पास ही एक स्कूल में पढ़ाती है और निधि 9वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने बताया कि खुशी को लगी एक गोली रीढ़ की हड्डी तक पहुंची है। हालांकि जीटीबी चिकित्सकों ने कई घंटे तक आपरेशन किया है। खुशी अभी खतरे में है, लेकिन निधि पहले से स्वस्थ्य हैं।

बिचौलिये के माध्यम से हुआ था रिश्ता

जितेंद्र ने बताया कि खोड़ा निवासी राकेश के माध्यम से उनकी मुलाकात जॉनी के परिवार से हुई थी। राकेश ने ही खुशी और जॉनी की शादी का प्रस्ताव रखते हुए रिश्ता तय कराया था। जब जॉनी ने 4 लाख रुपये लेने की बात कही तब उसके जवाब में जितेंद्र ने रुपये लेने की बात से इन्कार कर दिया।

अब अंदेशा यह भी जताया जा रहा है कि कहीं बिचौलिया राकेश के स्तर से कोई विरोधाभास या संशय तो नहीं है। फिलहाल पुलिस इसकी जांच कर रही है।

गृह मंत्री शाह ने सहकारी बैंकिंग, जैविक उत्पादों और निर्यात को मजबूत करने के लिए बने राष्ट्रीय रोडमैप की समीक्षा की

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की सहकारी पहलों पर समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की। इन पहलों का उद्देश्य सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत करना, सहकारी संस्थाओं के माध्यम से जैविक उत्पादों को बढ़ावा देना और सहकारी उत्पादों की वैश्विक पहुंच को निर्यात के माध्यम से विस्तार देना है।

बैठकों में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के.वी., मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा प्रस्तावित कोऑपरेटिव बैंक ऑफ इंडिया (सीओबीआई), सहकार सारथी प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल), राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम (एनयूसीएफडीसी), राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) सहित प्रमुख सहकारी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रमुख सहकारी बैंकिंग पहलों की समीक्षा के दौरान अमित शाह ने सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को तकनीक अपनाने, बेहतर प्रशासन, साइबर सुरक्षा, डिजिटल भुगतान, साझा सेवा मंच और बेहतर सेवा वितरण के माध्यम से मजबूत करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों की प्रगति की जानकारी ली। प्रस्तावित कोऑपरेटिव बैंक ऑफ इंडिया और भविष्य में सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को सहयोग देने में उसकी भूमिका पर भी विस्तृत चर्चा हुई। सहकारी बैंकों के लिए सहकार सारथी की तकनीक आधारित पहलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

वर्षों पुरानी बेगारी बर्दाश्त नहीं, सरकार ग्रामीण चौकीदारों को कुशल श्रेणी के मजदूर का न्यूनतम वेतन दे: विनोद कुमार, राज्य सचिव

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 18 जून । ग्रामीण चौकीदारों को कुशल श्रेणी के मजदूर का न्यूनतम वेतन देने काम के घंटे निर्धारित करने, 5 लाख रू रिटायरमेंट बेनिफिट देने समेत लंबित मांगों को लेकर 21 जून को मतलोड़ा में पंचायत मंत्री के आवास पर मास डेपुटेशन से होगा निर्णायक आंदोलन का आगाज होगा ।

यह फैसला आज सीटू जिला कार्यालय में आयोजित हरियाणा ग्रामीण चौकीदार सभा की राज्यस्तरीय कन्वेंशन में लिया गया। कन्वेंशन की अध्यक्षता हरियाणा ग्रामीण चौकीदार सभा के राज्य प्रधान मदन कलरा ने की और मंच संचालन महासचिव कलीराम ने किया।

कन्वेंशन का उद्घाटन करते हुए सीटू हरियाणा के प्रांतीय उपाध्यक्ष और ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के महासचिव विनोद कुमार ने कहा कि अंतोदय का नारा देने वाली वर्तमान भाजपा सरकार गरीबों की बजाय पूंजीपतियों की सेवा में लगी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दिसंबर 2025 में न्यूनतम वेतन रिवाइज करने को लेकर बनी त्रिपक्षीय वार्ता कमेटी के 23196 न्यूनतम वेतन करने की सिफारिश को खारिज कर सरकार ने एकतरफा ढंग से 15220 रुपए की घोषणा करके प्रदेश के मजदूरों की पीठ में छुरा घोपा है। अब इस घोषित न्यूनतम वेतन को लागू करवाने की मांग कर रहे हैं। मजदूरों की जायज आवाज को सुनने के लिए बजाय सरकार अभी भी खुले तौर मजदूरों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण चौकीदार समाज के सबसे वांछित हिस्सों से आते हैं, उनके मानदेय में बढ़ोतरी न करके उनके साथ छलावा कर रही है। उन्होंने प्रदेश भर से आए ग्रामीण चौकीदारों का आह्वान करते हुए कहा कि देशव्यापी आंदोलन के तहत केंद्रीय ट्रेड यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 10 अगस्त को होने वाले जेल भरो आंदोलन में बढ़ चढ़कर ग्रामीण चौकीदार पर चढ़कर हिस्सेदारी करने का आह्वान किया। कन्वेंशन में बोलते हुए सीटू राज्य सचिव कामरेड विनोद ने कहा कि वर्षों से ग्रामीण चौकीदार के रूप में गांव में सेवाएं दे रहे हैं ग्रामीण चौकीदारों को कुशल श्रेणी के मजदूर का दर्जा मिलना चाहिए। अलग-अलग तरह से ग्रामीण चौकीदारों से ली जा रही है बेगारी पर रोक लगाई जाए। सभी ग्रामीण चौकीदारों को इएसआई के तहत कर कर रिटायरमेंट पर 500000 रू रिटायरमेंट बेनिफिट दिया जाए। इसके साथ ही ग्रामीण चौकीदार की अचानक मृत्यु होने पर मुआवजे के साथ उसके परिवार को चौकीदार की नौकरी सुनिश्चित की जाए। आगामी आंदोलन की घोषणा करते हुए ग्रामीण चौकीदार सभा के अध्यक्ष मदन कलर और महासचिव कलीराम ने कहा कि आने वाली 21 जून को ग्रामीण चौकीदार सभा का मास डेपुटेशन मतलोडा में पंचायत मंत्री की आवास पर प्रदर्शन करेगा। इसके बाद 20 जून से 30 जून तक प्रदेश के सभी ब्लॉकों में सरकार के उपेक्षापूर्ण रवैए के खिलाफ विरोध कार्रवाई आयोजित की जाएगी और आगामी 5 जुलाई को कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर प्रदेश भर से हजारों ग्रामीण चौकीदार पडाव डालेंगे । कन्वेंशन को सभा के पूर्व राज्य अध्यक्ष परवारा राम, उपाध्यक्ष बाबूराम, कोषाध्यक्ष भगत सिंह, सचिवमंडल सदस्य संजीत, सुशील, श्रवण, ललिता, भतेरी देवी, अनिल कुमार, इमरान, वेद प्रकाश, ज्ञानेंद्र पलवल, बलवान, राजेश गन्नौर ने भी अपने विचार रखें।

मिड-डे मील वर्कस युनियन ने मांगों को लेकर किया, प्रदर्शन

» निर्मल सिंह

पानीपत, यूटर्न/ 18 जून । मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा संबंधित सीटू राज्य कमेटी के आह्वान पर पानीपत जिला में अपनी मांगों को लेकर विरोध स्वरूप शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा जीटी रोड पानीपत संविधान चौक पर पुतला दहन करते हुए किया ऐलान 4 अगस्त 2026 को कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री आवास कार्यालय का राज्य व्यापी हड़ताल करेंगे घेराव। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान निर्मला अहलावत, जिला सचिव कविता, सीटू जिला सह संयोजक जय भगवान, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, जिला सचिव राजपाल आदि ने किया।

संगठन के नेताओं में भाजपा नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार का चरित्र महिला जन विरोधी है। शिक्षा मंत्री का जो व्यवहार कितने मील वर्कर्स यूनियन के आंदोलन के प्रति गैर जिम्मेदाराना रहा है। बार-बार बातचीत के लिए विश्वासघात किया। इसके खिलाफ पूरे हरियाणा के अंदर शिक्षा मंत्री के पुतले जलाए गए।

मुख्य मांगे: 28000 मिड डे मील वर्कर्स को पक्का किया जाए।

न्यूनतम वेतन मासिक 26000 रुपए किया जाए।

वेतन 10 महीने की बजाय 12 महीने का दिया जाए। वर्दी भत्ते में बढ़ोतरी की जाये। सामाजिक सुरक्षा, ईएसआई पीएफ की सुविधा प्रदान की जाए। रिटायरमेंट बेनिफिट 5 लाख किया जाए। मिड डे मील वर्कर से खाना पकाने के अलावा अन्य बगैर के काम में दिए जाएं बगैर प्रथा पर रोक लगाई जाए। उपरोक्त सभी मांगों को लेकर आज पूरे हरियाणा के अंदर राज्य कमेटी आह्वान पर मुख्यमंत्री के नाम लिखित नोटिस ज्ञापन के माध्यम से भेजे गए।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से की शिष्टाचार भेंट

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 18 जून । सर्व समाज कल्याण सेवा समिति (रजि.) के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट कर समिति द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधियों ने समाज सेवा के क्षेत्र में चल रही गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की। रामेश्वर सैनी ने मुख्यमंत्री को बताया कि समिति पिछले कई वर्षों से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। समिति द्वारा नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। इसके अलावा निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान समिति ने वैक्सीनेशन कैंप आयोजित कर लोगों को जागरूक करने और टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गर्मी के मौसम में राहगीरों के लिए ठंडे मीठे जल की छबील लगाने, कैंसर मरीजों को राशन उपलब्ध कराने तथा जरूरतमंद रोगियों को मुफ्त दवाइयां देने जैसे अनेक समाजहित कार्य भी समिति द्वारा किए जा रहे हैं।

जन कल्याण शिविर का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराना : विजेंद्र

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि कल्याण शिविर का उद्देश्य केंद्र सरकार तथा दिल्ली सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं जनसेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराकर नागरिकों को उनका लाभ पहुंचाना है। श्री गुप्ता ने आज रोहिणी में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा 'जब शासन-प्रशासन प्रत्येक नागरिक के द्वार तक पहुंचता है, तब जनकल्याण सशक्तिकरण में परिवर्तित हो जाता है और लोकसेवा जन-जन के जीवन का वास्तविक अनुभव बन जाती है।' उन्होंने कहा कि 18 जून से 20 जून तक होने वाला यह शिविर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशव्यापी जनसंपर्क एवं जनकल्याण कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है। शिविर का उद्देश्य केंद्र सरकार तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं जनसेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराकर नागरिकों को उनका लाभ पहुंचाना है।

दिल्ली-हरियाणा में एफएसएसएआई की छापेमारी, 6,500 लीटर मिलावटी घी और कच्चा माल जब्त

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । खाने-पीने की चीजों में मिलावट करने वाले एक नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफइंडिया' (एफएसएसएआई) ने दिल्ली और हरियाणा में कई जगहों पर छापेमारी करके 6,500 लीटर से ज्यादा मिलावटी घी और उससे जुड़ी कच्ची सामग्री जब्त की। एफएसएसएआई ने 'देसी घी' बनाने वाली दिल्ली के द्वारका और दूसरी हरियाणा के सोनीपत स्थित यूनिट में छापा मारा। दोनों जगहों से क्रमशः 2,500 लीटर और 4,000 लीटर से ज्यादा नकली घी बरामद किया। घी का पूरा स्टॉक बाजार में बेचने के लिए तैयार था और अधिकारियों ने सही समय पर इसे पकड़ लिया। एफएसएसएआई के अधिकारियों ने नकली घी बनाने और बेचने वाली अंतर-राज्यीय सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए स्थानीय पुलिस और सेंट्रल फूड सेफ्टी अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया। दिल्ली में एफएसएसएआई के अधिकारियों ने द्वारका के धूलसिरस गांव में एक गुप्त जगह पर छापे के दौरान बड़े पैमाने पर मिलावट का पता लगाया। लगभग 1,020 लीटर अज्ञात तेल (नकली घी बनाने में कच्चे माल के तौर पर इस्तेमाल होने का शक) और 1,500 लीटर मिलावटी घी बरामद किया गया।

श्रेयंका पाटिल के चोटिल होने से भारतीय खेमा चिंतित

» लखनऊ, यूटर्न/ 18 जून ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल के चोटिल होने से भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले में श्रेयंका के दाहिने टखने में चोट लग गयी थी। जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा था। श्रेयंका ने अब तक हुए दोनो ही मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में अगर वह बाहर होती हैं तो भारतीय टीम की परेशानी बढ़ जाएगी।

श्रेयंका की चोट गंभीर नजर आती है क्योंकि जब उन्होंने उठने की कोशिश की, तो वह टखने पर बिल्कुल भी वजन नहीं डाल पा रही थीं।

गौरतलब है कि श्रेयंका पहले भी फिटनेस को लेकर संघर्ष करती रही हैं। जुलाई 2024 में श्रीलंका में हुए महिला टी20 एशिया कप के दौरान उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया था। यूएई में हुए महिला टी20 विश्वकप के बाद उन्हें दोनों पैरों की पिंडली की हड्डी में समस्या हुई थी, और फील्डिंग के दौरान ही उनके बाएं अंगूठे में भी फ्रैक्चर हो गया था।

भारतीय टीम प्रबंधन ने अभी तक श्रेयंका की चोट की गंभीरता के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। मैच के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस पर कोई बात नहीं कही है।

आरएसएस का रहस्यः संगठन जो हर जगह है, पर कहीं दिखाई नहीं देता

संदीप शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में सबसे खास बात शायद उसकी विचारधारा, उसका असर या उसका सौ साल पुराना वजूद न हो। यह कुछ और भी अजीब हो सकता हैः यह बात कि यह दुनिया के सबसे बड़े वॉलंटियर संगठनों में से एक के तौर पर काम करता है, बिना किसी सोसाइटी, ट्रस्ट या कंपनी के तौर पर फॉर्मल रूप से रजिस्टर हुए। कागजी कार्रवाई, नियमों का पालन और इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर से भरे इस जमाने में, आरएसएस एक अजीब अपवाद बना हुआ है। इसके पास पारंपरिक तरीके से कोई मेंबरशिप फॉर्म नहीं है। यह सदस्यों का कोई पब्लिक रजिस्टर नहीं रखता है। यह शेयरहोल्डर्स वाली कॉर्पोरेशन की तरह काम नहीं करता, न ही चुने हुए ऑफिस-बेयरर्स और ऑडिटेड पब्लिक अकाउंट्स वाली पॉलिटिकल पार्टी की तरह। फिर भी इसकी रोजाना हजारों शाखाएं, नागपुर में एक बड़ा हेडक्वार्टर, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, पब्लिकेशन और इससे जुड़े संगठनों का एक बड़ा इकोसिस्टम है। इससे जाहिर है सवाल उठते हैं। यह खुद को कैसे चलाता है? पैसा कहाँ से आता है? इसके एसेट्स का मालिक कौन है? पारंपरिक कानूनी ढांचे के बिना कोई संगठन लगभग एक सदी तक कैसे टिका रहता है और कैसे फैलता है? इसका जवाब कुछ हद तक यह समझने में है कि आरएसएस एक मॉडर्न संस्था की तरह कम और एक जीते-जागते नेटवर्क की तरह ज्यादा काम करता है। मकड़ी के बजाय स्टारफिश एक बेहतर उदाहरण हो सकती है। मकड़ी का सिर काट दो और शरीर मर जाता है। स्टारफिश का एक हाथ काट दो और वह बच जाती है। कभी-कभी हाथ खुद ही एक और स्टारफिश बन जाता है। आरएसएस ने डीसेंट्रलाइजेशन के इस सिद्धांत को पूरी तरह से सीख लिया है। इसकी ताकत फॉर्मल स्ट्रक्चर में नहीं बल्कि सोशल रिश्तों में है। लोकल शाखाएं बहुत ज्यादा आजादी के साथ काम करती हैं। वॉलंटियर समय, मेहनत और रिसोर्स देते हैं। डोनेशन अक्सर गुरु दक्षिणा के पारंपरिक तरीके से इकट्ठा किया जाता है। कई एक्टिविटीज किसी एक सेंट्रलाइज्ड एंटिटी के बजाय कानूनी तौर पर रजिस्टर्ड ट्रस्ट, स्कूल, चैरिटी और उससे जुड़ी संस्थाओं के जरिए की जाती हैं। इससे ऑर्गनाइजेशन को बहुत ज्यादा मजबूती मिली है। सरकारों ने पहले भी आरएसएस पर बैन लगाया है। पॉलिटिकल किस्मत चमकी और गिरी है। लीडर आए और गए। फिर भी ऑर्गनाइजेशन टिका रहा। करिश्माई लोगों या सेंट्रलाइज्ड फंडिंग स्ट्रीम पर निर्भर ऑर्गनाइजेशन के उलट, आरएसएस ने खुद को कम्युनिटी और सोशल नेटवर्क में शामिल कर लिया है। इसके चाहने वाले इसे ऑर्गनाइजेशनल जीनियस का सबूत मानते हैं। उनका तर्क है कि सिर्फ.एक बहुत कमिटेड कैडर ही बिना सैलरी, पब्लिसिटी कैंपेन या जबरदस्ती के इतने बड़े एंटरप्राइज को चला सकता है। उनके लिए, आरएसएस वॉलंटियरिंग और सोशल कैपिटल की हमेशा रहने वाली ताकत दिखाता है। हालांकि, क्रिटिक्स इन्हीं खूबियों को अलग तरह से देखते हैं। उनका तर्क है कि एक कन्वेंशनल ऑर्गनाइजेशनल फ्रेमवर्क की कमी ट्रांसपेरेंसी को मुश्किल बना सकती है। जब अथॉरिटी इनफॉर्मल नेटवर्क के जरिए फैलती है तो फंडिंग, अकाउंटेबिलिटी और डिसीजन-मेकिंग से जुड़े सवालों का जवाब देना और मुश्किल हो जाता है। डेमोक्रेसी में, बिना विजिबिलिटी के असर उतना ही असरदार हो सकता है जितना बिना अकाउंटेबिलिटी के पावर। फिर भी, कोई आरएसएस की तारीफ करे या उसका विरोध करे, एक बात को नकारा नहीं जा सकता। इसकी सफलता ऑर्गनाइजेशन कैसे काम करते हैं, इस बारे में कई सोच को चुनौती देती है। मॉडर्न मैनेजमेंट थ्योरी अक्सर फॉर्मल स्ट्रक्चर, रिपोर्टिंग लाइन और ब्यूरोक्रेटिक सिस्टम पर जोर देती है। आरएसएस कल्चर, डिसिप्लिन और पर्सनल कमिटमेंट पर भरोसा करके आगे बढ़ा है। शायद आरएसएस के मामले का यही असली सबक हो। इंस्टीट्यूशन आखिरकार बिल्डिंग, बैलेंस शीट या रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट नहीं होते। वे विश्वास की कम्युनिटी होती हैं। आरएसएस ने ऐसी कम्युनिटी बनाने में लगभग एक सदी बिताई है। नतीजा एक ऐसा संगठन है, जो कुछ मायनों में कागजों पर मुश्किल से ही मौजूद लगता है, लेकिन पब्लिक लाइफ में इसे नजरअंदाज करना नामुमकिन है। एक स्टारफि श की तरह, इसे किसी एक सेंटर से नहीं, बल्कि अनगिनत जुड़े हुए हिस्सों से ताकत मिलती है। और यह, किसी भी कॉन्स्टिट्यूशनल डॉक्यूमेंट या रजिस्ट्रेशन सर्टिफि केट से ज्यादा, इसके टिके रहने की वजह है।

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाङ्ख कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ? पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा-पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा। बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्पित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर

दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे। यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है। आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था।

पप्पू से जननायक तकः राहुल का नया सियासी अवतार

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में शायद ही किसी नेता ने छवि के मोर्चे पर इतने उतार-चढ़ाव देखे होंगे जितने राहुल गांधी ने देखे हैं। एक दौर था जब विरोधियों ने उन्हें पप्पू कहकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की हदें पार कर दी थीं। लेकिन आज, जब वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर हैं, तो उनकी राजनीति में एक अलग परिपक्वता दिखाई देती है। हाल ही में राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ उनका छात्रों की गूंज आंदोलन और पेपर लीक के खिलाफ उनका आक्रामक रुख यह साफ करता है कि राहुल गांधी अब सिर्फ विरासत की राजनीति नहीं कर रहे, बल्कि सड़क और संसद दोनों जगह जनता की नब्ज पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस राजनीतिक सफर को दो हिस्सों में देखा जा सकता है - पहला भारत जोड़ो यात्रा से पहले का और दूसरा उसके बाद का। कन्याकुमारी से कश्मीर और फिर मणिपुर से मुंबई तक की यात्राओं ने राहुल गांधी की पूरी छवि को बदल कर रख दिया। इन यात्राओं ने उन्हें बंद कमरों की वातानुकूलित राजनीति से निकालकर तपती धूप और आम लोगों के बीच ला खड़ा किया। जब वे ट्रक ड्राइवरों, कुली भाइयों, मैकेनिकों और आम बेरोजगार युवाओं से गले मिलते दिखे, तो जनता को उनमें एक ऐसा नेता नजर आने लगा जो उनकी बात सुनने के लिए तैयार था। यही कारण है कि आज मीडिया और जनता उन्हें एक गंभीर राजनेता के रूप में देखने लगी है।

आज देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक

जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली ने छात्रों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। ऐसे समय में राहुल गांधी ने सीधे छात्रों के बीच जाकर उनकी आवाज को उठाया है। जब सरकार ने तकनीकी कारणों से टेलीग्राम जैसी ऐप पर पाबंदी लगाने की कोशिश की, तो राहुल ने खुलकर कहा कि हमला पेपर लीक माफिया पर होना चाहिए, छात्रों के प्लेटफॉर्म पर नहीं। कोटा की गलियों से शुरू हुई छात्रों की गूंज ने यह साबित किया है कि राहुल अब युवाओं के मुद्दों को अपनी राजनीति का मुख्य हथियार बना चुके हैं। संसद में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के तेवर बदले हुए हैं। वे अब सिर्फ सरकार के फैसलों का विरोध नहीं करते, बल्कि आंकड़ों और तर्कों के साथ सरकार को घेरते हैं, कई बार तो पूरी सरकार के मंत्री, प्रधानमंत्री अकेले राहुल के सवालों के जवाब नहीं दे पाते। ईवीएम की विश्वसनीयता से लेकर देश के आर्थिक फैसलों और कॉरपोरेट एकाधिकार पर उनके सीधे सवाल सरकार को असहज करते हैं। इंडिया गठबंधन को एक साथ बांधकर रखना और विपक्ष की बिखरती हुई ताकतों को एक मंच पर लाना और यह कहना की मैं शिव की तरह सारा जहर पी लूँगा, लेकिन गठबंधन को टूटने नहीं दूँगा.... अब तो लगभग -लगभग सारे के सारे नेता राहुल को इंडिया ब्लॉक में मान ही चुके हैं.. यह उनकी एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा सकती है।

आज के दौर में राहुल गांधी को ना तो कोई खारिज कर सकता है और ना ही उनकी अनदेखी कर सकता है। वे केवल एक बड़े राजनीतिक परिवार के वारिस नहीं हैं, बल्कि वे एक ऐसे नेता के रूप में उभर चुके हैं जो देश के युवाओं, दलितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज बनने का दम रखता है। वे केवल बड़े मंचों से भाषण नहीं दे रहे, बल्कि देश के वंचितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के साथ खड़े होकर उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का एक मजबूत और विश्वसनीय चेहरा बन चुके हैं।

आर्थिक मोर्चे पर महंगाई, निजीकरण और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सीधे आम आदमी की थाली और जेब से जोड़कर उन्होंने अपनी राजनीति को हवाई दावों से दूर, जमीन पर लाकर खड़ा किया है। छात्रों की गूंज जैसे आंदोलनों से उन्होंने दिखा दिया है कि वे भविष्य की राजनीति के लिए तैयार हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर सुदूर गांवों के युवाओं के बीच शुरू हुई इस गूंज ने देश की युवा चेतना को यह भरोसा दिलाया है कि उनकी लड़ाई का एक झंडाबरदार दिल्ली में मौजूद है।

भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग बनी तीसरी सबसे बड़ी कटेगरी : अश्विनी वैष्णव

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण) अब भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं की श्रेणी (कटेगरी) में तीसरे सबसे बड़े स्थान पर पहुंच गया है।

केंद्रीय मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच की सराहना की। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग अब 13 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है। शुरूआत में इस क्षेत्र का लक्ष्य शीर्ष 10 निर्यात श्रेणियों में स्थान बनाना था, लेकिन इसके बाद यह लगातार 9वें, 7वें, 5वें, 4वें और अब तीसरे स्थान

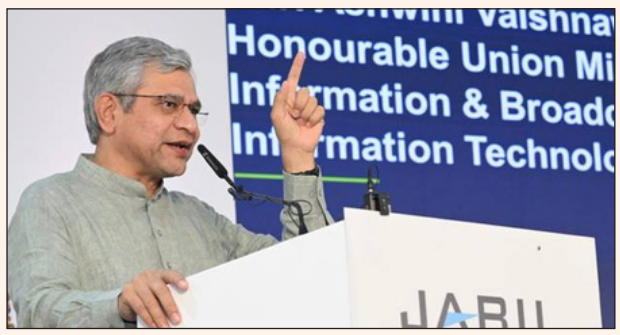

तक पहुंच गया है।

अश्विनी वैष्णव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ पुणे के रंजनगांव में जैबिल की अत्याधुनिक और उच्च तकनीक वाली विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि एआई वैश्विक विकास की एक बड़ी ताकत बन चुकी है और इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का देश के भीतर विकसित होना बेहद जरूरी है। वैष्णव ने कहा कि आज एआई डेटा सेंटर दुनिया भर में विकास का एक बड़ा इंजन बन चुके हैं। इसलिए प्रधानमंत्री की 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि इन डेटा सेंटरों को चलाने वाले प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों का निर्माण भारत में ही हो।

उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और निर्यात की कल्पना भी मुश्किल मानी जाती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की स्पष्ट सोच और नीतियों ने भारत को एक विश्वसनीय वैश्विक विनिर्माण साझेदार बना दिया है।

जैबिल अपनी आधुनिक और अत्याधुनिक इकाई के माध्यम से पुणे में डेटा सेंटरों के लिए जरूरी महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्माण करेगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता बहुत अधिक है और यह भारत की घरेलू तकनीकी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ दुनिया के विभिन्न देशों को निर्यात भी करेगा।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद

मुंबई, यूटर्न/ 18 जून । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ।

बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे। वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए।

संक्षिप्त खबरें

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे गिरकर 94.66 पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 18 जून । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी गुरुवार को 13 पैसे कमजोर होकर 94.66 पर खुला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से रुपये को कुछ राहत मिली है, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से डॉलर मजबूत बना हुआ है। बुधवार को भारतीय रुपया मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.56 रुपए पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के सकारात्मक संकेतों ने घरेलू मुद्रा को सहारा दिया, जिससे रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी।

एशियाई बाजारों में दबाव, जापान ने बनाया नया रिकॉर्ड

मुंबई, यूटर्न/ 18 जून । एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार के दौरान कमजोरी देखने को मिली। हांगकांग का हैंगसेंग और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। वहीं दूसरी ओर जापान का प्रमुख शेयर सूचकांक नई ऊंचाई पर पहुंच गया। सूचकांक 71,000 के स्तर को पार करते हुए करीब 2 प्रतिशत तक मजबूत हुआ और नया रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा। वहीं बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। डॉव जोन्स ने कारोबार के दौरान नया रिकॉर्ड स्तर छुआ, लेकिन बाद में बिकवाली के दबाव में आ गया।

मारुति की पाँच नई धांसू कारें 2027 तक लॉन्च को तैयार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी अपनी मजबूत पकड़ को और भी पुख्ता करने जा रही है। इस कडी में कंपनी साल 2027 तक पांच नई और अपडेटेड कारों को लॉन्च करने की तैयारी में है। मारुति की सबसे ज्यादा बिकने वाली सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को साल 2026 की तीसरी तिमाही में एक नया फेसलिफ्ट मिलने जा रहा है इसमें बदले हुए बंपर, नई ग्रिल और वेंटिलेटेड फ्रंट सीटों के साथ एक पूरी तरह से फ्रेश लुक मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव इसके इंजन में होगा, जहां कंपनी 99 हॉर्सपावर का दमदार 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन वापस ला सकती है। साथ ही, इसके सीएनजी वैरिएंट में टैंक को नीचे की तरफ रखकर बूट स्पेस की समस्या को स्थायी रूप से हल किया जाएगा। देश की प्रीमियम हैचबैक मारुति बलेनो भी आने वाले कुछ ही महीनों में हल्के-फुल्के अपडेट के साथ दस्तक देगी।

केंद्रीय बजट 2026 के सुधारों से कूरियर सेक्टर को मिलेगा बड़ा बढ़ावा, ई-कॉमर्स निर्यातकों को होगा फायदा : उद्योग जगत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

राष्ट्रीय राजधानी में यूनियन बजट 2026 में एक्सप्रेस (कूरियर) सेक्टर के लिए घोषित नीतिगत सुधारों पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उद्योग जगत, सीमा शुल्क विभाग और व्यापार विशेषज्ञों ने भाग लिया और बजट में घोषित नई व्यवस्थाओं और उनके संभावित प्रभावों पर विस्तार से बात की।

इस दौरान, न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (एफआईईओ) के महानिदेशक और सीईओ अजय सहाय ने कहा कि बजट 2026 में कूरियर आयात-निर्यात नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले ई-कॉमर्स के जरिए कूरियर और डाक माध्यम से होने वाले निर्यात पर 10 लाख रुपए की मूल्य सीमा लागू थी, लेकिन अब सरकार ने इस सीमा को समाप्त कर दिया है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से भारतीय निर्यातकों को काफी फायदा होगा, खासकर उन कंपनियों को जो उच्च मूल्य वाले उत्पादों का निर्यात करती हैं। इससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक बाजारों तक पहुंच और अधिक मजबूत होगी।

वहीं, ईआईसीआई के सीईओ विजय कुमार ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि बजट में घोषित सुधारों का मुख्य उद्देश्य कारोबार को आसान बनाना है। उन्होंने बताया कि उच्च मूल्य वाले उत्पादों के निर्यात पर लगी सीमा हटाने से निर्यातकों को कूरियर माध्यम से बड़े मूल्य की शिपमेंट भेजने में सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय गंतव्य पर अस्वीकार होने वाली खेपों (रिटर्न-टू-ओरिजिन - आरटीओ) को वापस लाने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। उनका मानना है कि ये सुधार व्यापार जगत के सामने आने वाली कई चुनौतियों को कम करेंगे और निर्यात गतिविधियों को नई गति देंगे।

इसके अलावा, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य योगेंद्र गर्ग ने न्यूज एजेंसी से कहा कि सरकार विभिन्न क्षेत्रों में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस और कूरियर उद्योग की सबसे बड़ी चुनौतियों में मूल्य सीमा और रिटर्न-टू-ओरिजिन जैसी सुविधाओं का अभाव शामिल था।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इन बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक सुधार किए हैं, जिससे कूरियर और एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स उद्योग को अधिक तेज, सरल और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकेगा। इसके साथ ही, दिल्ली के एयर कार्गो के कमिश्नर योगेंद्र सिंह ने कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में व्यापार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। इन्हीं सुधारों की जानकारी उद्योग जगत तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किए गए बदलावों से व्यापार प्रक्रियाएं अधिक सरल और प्रभावी बनेंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि बजट 2026 में किए गए ये सुधार भारतीय निर्यातकों, ई-कॉमर्स कंपनियों और लॉजिस्टिक्स उद्योग के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। मूल्य सीमा हटने और प्रक्रियाओं के सरलीकरण से भारतीय उत्पादों की वैश्विक बाजारों में पहुंच बढ़ेगी, जबकि व्यापार करने में आसानी आने से देश के निर्यात को भी नया बल मिलेगा।

टीवीएस की एडवेंचर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 पेश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

बाइक निमार्ता कंपनी टीवीएस मोटर ने अपनी 300 सीसी सेगमेंट की एडवेंचर बाइक, अपाचे आरटीएक्स 300, को पेश किया है। यह बाइक ई20 पेट्रोल के साथ संगत है और इसे विशेष रूप से एडवेंचर सेगमेंट के तहत बेचा जा रहा है। लगभग 500 किलोमीटर की सवारी के अनुभव के बाद, यह मोटरसाइकिल उन उत्साही राइडर्स के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकती है, जो लंबी दूरी की यात्राएं पसंद करते हैं और कम बजट में एक दमदार तथा भरोसेमंद एडवेंचर बाइक की तलाश में हैं। पहली नजर में यह अधिक ऊंचाई वाले लोगों के लिए लग सकती है, लेकिन इसे आसानी से 5.5 फीट की हाइट वाले लोग भी चला सकते हैं। अपाचे आरटीएक्स 300 में एलईडी लाइट्स, एक लंबी विंडस्क्रीन, स्प्लिट सीट्स, लगेज रैक और एक रंगीन टीएफटी डिस्प्ले जैसे कई आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें नेविगेशन सपोर्ट, टूर, रैली, अर्बन और रेन जैसे विभिन्न राइडिंग मोड, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस), ट्रैक्शन कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं, जो इसे लंबी यात्राओं के लिए बेहद आरामदायक और सुरक्षित बनाती हैं। क्रूज कंट्रोल की सुविधा से हाइवे पर एक समान गति बनाए रखना आसान हो जाता है, जबकि विभिन्न राइडिंग मोड्स इसे शहर के ट्रैफिक और खुले हाइवे, दोनों में अनुकूल बनाते हैं। मोटरसाइकिल में 299 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन है, जो 35.5 हॉर्स पावर की शक्ति और 28.5 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है।

स्वराज कोड ट्रैक्टर 11 एचपी की पावर के साथ पेश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

देश में सालों से शानदार प्रदर्शन के लिए पहचाना जाने वाला स्वराज कोड ट्रैक्टर अब 11 एचपी की पावर के साथ पेश किया गया है। यह लगभग 9.46 पीटीओ एचपी देता है, जिससे यह रोटावेटर, थ्रेशर और कल्टीवेटर जैसे उपकरणों के साथ शानदार काम करता है। यह ट्रैक्टर जुताई, बुवाई और ढुलाई जैसे विभिन्न कृषि कार्यों के लिए बेहद उपयुक्त है, खासकर छोटे खेतों और बागवानी के लिए। स्वराज कोड ट्रैक्टर की लिफ्टिंग कैपेसिटी 220 किलोग्राम है, जो इसे भारी औजारों और कृषि उपकरणों को आसानी से संभालने में सक्षम बनाती है। इसके अलावा, इसमें 6 फॉरवर्ड और 3 रिवर्स गियरबॉक्स होता है जो बेहतर नियंत्रण और स्मूद ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है।

स्वराज कोड में 11 एचपी का 1 सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो खेत में कुशल माइलेज प्रदान करता है और उच्च प्रदर्शन की क्षमता रखता है। यह एक प्रभावी शक्ति वाला मिनी ट्रैक्टर है जो बाग-बगीचों आदि में उच्च गुणवत्ता वाला काम प्रदान करने में सक्षम है। क्षेत्र में सुचारू रूप से काम करने के लिए स्वराज कोड सिंगल क्लच के साथ आता है।

निसान अपने चार नए मॉडल पेश करने की तैयारी में

» **नईदिल्ली, यूटर्न/ 18 जून ।**

भारतीय वाहन बाजार में कंपनी निसान अपने चार महत्वपूर्ण नए मॉडल पेश करने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य भारतीय ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करते हुए बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना है, जिसके लिए वह नई तकनीक और आधुनिक सुविधाओं से लैस वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इन उत्पादों में नई मैग्नाइट, एक मध्यम आकार की स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी), टेक्टॉन का हाइब्रिड संस्करण और ग्रेवाइट का अपडेटेड मॉडल शामिल हैं। सबसे पहले, निसान अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी मैग्नाइट को एक नए प्लेटफॉर्म पर विकसित कर रही है।

इसमें विशेष रूप से कारखाने स्तर पर गैस ईंधन प्रणाली को बेहतर तरीके से समायोजित करने की सुविधा मिलेगी, जिसमें गैस टैंक वाहन के नीचे स्थापित होने से सामान रखने की जगह प्रभावित नहीं होगी। नई मैग्नाइट में गैस ईंधन और स्वचालित गियर प्रणाली का संयुक्त विकल्प भी मिल सकता है, जो इस श्रेणी में एक महत्वपूर्ण नवाचार होगा। इसके साथ ही, कंपनी एक नई मध्यम आकार की एसयूवी पर भी काम कर रही है, जो रेनो के आगामी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। इसमें शुरूआत में पेट्रोल इंजन के विकल्प मिलेंगे, जिसके बाद हाइब्रिड और पूर्णतः विद्युत संस्करण भी आ सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

दो युवकों से पिस्तौल बरामद व सप्लायर भी दबोचा

फरीदाबाद, यूटर्न/ 18 जून । पुलिस की क्राइम ब्रांच एनआईटी और डीएलएफ ने अलग-अलग कार्रवाई में दो युवकों को अवैध देसी पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। धौज निवासी अजरूदीन उर्फ अज्जु को सेक्टर-48 क्षेत्र से देसी पिस्तौल के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने हथियार मथुरा से छह हजार रुपये में खरीदने की बात स्वीकार की। दूसरी ओर जवाहर कॉलोनी निवासी हिमांशु को ओल्ड प्रेस कॉलोनी क्षेत्र से पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि उसने यह हथियार अपने दोस्त विनीत से चार हजार रुपये में खरीदा था। पुलिस ने विनीत को भी गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

कमीशन बढ़ने से नाराज पोर्टर चालकों का हंगामा, कंपनी की जर्सी फाड़कर जताया विरोध

फरीदाबाद, यूटर्न/ 18 जून । सेक्टर-58 में आज पोर्टर कंपनी के चालकों ने इकट्ठा होकर कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया। चालकों का आरोप है कि कंपनी ने अचानक उनका टोल कमीशन (कटौती) भारी मात्रा में बढ़ा दिया है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन कर रहे चालकों ने बताया कि पहले कंपनी केवल 5 प्रतिशत टोल काटती थी, जिसे अब बढ़ाकर सीधे 20 प्रतिशत कर दिया गया है। पोर्टर चालक रतन मिश्रा ने कहा, पहले एक लंबी राइड पर हमें 1800 से 1900 रुपये तक मिल जाते थे, लेकिन अब उसी दूरी के महज 980 रुपये मिल रहे हैं। चालकों का कहना है कि एक तरफ डीजल और पेट्रोल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कंपनी उनका मुनाफा घटाकर अपनी जेबें भर रही है।

थार से स्टंट करने वाला चालक गिरफ्तार

गुरुग्राम, यूटर्न/ 18 जून । सदर थाना गुरुग्राम और अपराध शाखा सेक्टर-31 की पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए थार से स्टंट करने वाले चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी चालक को जांच में शामिल किया है। पुलिस मामले में आगामी कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार थार चालक की पहचान भीमांशु निवासी मैदानगढ़ी, दक्षिण दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह थार को चला रहा था और उसने लापरवाही व तेज गति से वाहन चलाकर आमजन के जीवन को खतरे में डाला था। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि थार से स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड रोड पर स्टंट करते हुए थार चलाई गई थी। वारदात में प्रयोग थार को बरामद कर लिया है।

कंपनी में देरी से सैलरी मिलने नाराज कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 18 जून ।**

सेक्टर-6 स्थित माइक्रो मशीन्स कंपनी में बुधवार को पिछले काफी समय से सैलरी न मिलने से नाराज दर्जनों कर्मचारी कंपनी के बाहर सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें हर महीने समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है, जिससे उनके सामने घर चलाना मुश्किल हो गया है।

कंपनी के कर्मचारी संजय ने बताया, हर रोज आज-कल का बहाना बनाया जाता है। आज 17 तारीख हो गई है, लेकिन अभी तक हमारे खातों में सैलरी नहीं आई है। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है।

हालांकि, प्रदर्शन के दौरान कुछ कर्मचारियों ने बीच-बचाव और प्रबंधन से बातचीत का हवाला देते हुए स्थिति को संभाला। कर्मचारियों के मुताबिक, प्रबंधन ने इस बार पक्का भरोसा दिलाया है कि 17 तारीख की शाम तक या फिर हर हाल में 18 तारीख को सभी की सैलरी दे दी जाएगी। कर्मचारियों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि वे फिलहाल प्रबंधन की बात का मान रखते हुए एक से दो दिन का इंतजार कर रहे हैं। अगर तय समय सीमा के भीतर उनका वेतन नहीं मिला, तो वे दोबारा इसी तरह सड़कों उतरेंगे।

नाबालिग ने स्कूटी से महिला को टक्कर मारकर किया घायल, पिता पर रिपोर्ट दर्ज

साहिबाबाद, यूटर्न/ 18 जून । शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के राजेंद्र नगर स्थित राज होम्स अपार्टमेंट निवासी उदयवीर सिंह नैन की पत्नी को नाबालिग (17) ने स्कूटी से टक्कर मार दी। हादसे में महिला के कूल्हे की हड्डी और दांत टूट गए। घटना 29 मई को हुई और पुलिस ने 16 जून को नाबालिग के पिता को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। दर्ज मामले में उदयवीर सिंह नैन ने बताया कि 29 मई की दोपहर 12 बजे उनकी पत्नी राजेंद्र नगर सेक्टर-2 स्थित प्ले स्कूल के पास से गुजर रही थीं। उसी दौरान सेक्टर के ही रहने वाले नाबालिग ने अपनी नई स्कूटी को तेज रफ्तार चलाते हुए उनकी पत्नी को जोरदार टक्कर मार दी। घटना की सूचना पर वहां पहुंचे और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनके कूल्हे की हड्डी और दांत टूटने की पुष्टि की। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर स्कूटी को कब्जे में ले लिया गया है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्कॉर्पियो किराये पर लेकर बेचने के मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम, यूटर्न/ 18 जून । स्कॉर्पियो कार चार दिन के लिए लेकर वापस न करने के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जयदीप सिंह पंजाब के लुधियाना का रहने वाला है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि इसी ने ये स्कॉर्पियो कार 5.5 लाख रुपये में खरीदी थी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। स्कॉर्पियो कार पहले ही बरामद की जा चुकी है। सुशांत लोक थाना में ये प्राथमिकी तीन जून को दर्ज हुई थी।

बेटियों का अनमोल उपहार: एक ने गुर्दा तो दूसरी ने लिवर का हिस्सा देकर पिता को दिया नया जीवन

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 18 जून ।**

पिता की उंगली थामकर चलना सीखने वाली बेटियां जब जीवन के सबसे कठिन मोड़ पर अपने पिता का हाथ थाम लें, तो रिश्तों की परिभाषा और भी गहरी हो जाती है। फादर्स डे से ठीक पहले गाजियाबाद के मोरटा गांव से ऐसी ही एक मार्मिक कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। यहां दो बेटियों ने अपने पिता को मौत के मुंह से निकालकर नया जीवन देने के लिए ऐसा त्याग किया, जो प्रेम, समर्पण और पारिवारिक मूल्यों की मिसाल बन गया है। बड़ी बेटी ने अपनी एक गुर्दा और छोटी बेटी ने अपने लिवर का हिस्सा दान कर पिता के जीवन की डोर फिर से मजबूत कर दी। मोरटा गांव निवासी 45 वर्षीय जयंत त्यागी एक वर्ष से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। शुरूआत में सामान्य बीमारी समझकर उपचार कराया गया, लेकिन कुछ महीने पहले उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी। विस्तृत जांच में पता चला कि उनका गुर्दा और लिवर दोनों गंभीर रूप से प्रभावित है। उनका जीवन बचाने के लिए तत्काल प्रत्यारोपण आवश्यक है। डॉक्टरों की यह बात सुनते ही परिवार पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। एक ओर पिता की बिगड़ती हालत थी तो दूसरी ओर उपयुक्त अंगदाता के तलाश की चिंता। इसी बीच परिवार की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आईं उनकी बेटियां। हाल ही में बीटेक की पढ़ाई पूरी करने वाली 22 वर्षीय रिषिका त्यागी ने बिना किसी संकोच के अपनी एक किडनी दान करने का फैसला किया। वहीं बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा 19 वर्षीय खुशी त्यागी ने भी अपने पिता को लीवर का हिस्सा देने का संकल्प लिया।

परिजनों के अनुसार जब दोनों बेटियों से इस फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा गया तो उनका जवाब सुनकर परिवार भावुक हो उठा। बेटियों ने कहा कि पिता का जीवन सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। यदि पिता ही नहीं रहेंगे तो जीवन की सारी खुशियां अधूरी रह जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार की जिम्मेदारियों को देखते हुए मां का स्वस्थ रहना जरूरी है। इस पूरे घटनाक्रम का एक और भावुक पहलू बड़ी बेटी रिषिका से जुड़ा है, जिनकी शादी कुछ समय बाद होने वाली है। परिवार को आशंका थी कि कहीं अंगदान का निर्णय उनके वैवाहिक जीवन को प्रभावित न कर दे। जब उन्होंने अपने होने वाले ससुराल पक्ष को इस बारे में बताया तो वहां से भी पूरा समर्थन मिला। परिजनों ने उनके फैसले को सराहा और इसे एक बेटी के सर्वोच्च कर्तव्य और साहस का उदाहरण बताया। डॉक्टरों ने परिवार के कई सदस्यों की जांच के बाद रिषिका और खुशी को सबसे उपयुक्त डोनर पाया। इसके बाद दोनों बहनों ने बिना किसी डर और हिचकिचाहट के अपने पिता को नया जीवन देने का निर्णय लिया। फादर्स डे से पहले सामने आई यह कहानी केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि उन बेटियों की भी है जो हर परिस्थिति में अपने माता-पिता की सबसे मजबूत ढाल बनकर खड़ी रहती हैं।

पोलियो वायरस अलर्ट के बाद आठ दिन में 31,100 घरों का सर्वे पूरा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 18 जून । विजयनगर क्षेत्र के डूडाहेड़ा सीवेज पंपिंग स्टेशन (एसटीपी) से लिए गए पानी के नमूने में वैक्सीन डिराइव्ड पोलियो वायरस (वीडीपीवी) मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाया गया घर-घर सर्वे अभियान बुधवार को पूरा हो गया। आठ दिन तक चले अभियान में 31,100 घरों का सर्वे किया गया। इस दौरान शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के 13,932 बच्चों की जांच की गई। अंतिम दिन कैलाभट्ठा क्षेत्र में 215 घरों और 102 बच्चों की जांच की गई। नौ जून से शुरू हुए अभियान में जिले की 12 स्वास्थ्य इकाइयों की 107 टीमों को 1.51 लाख से अधिक आबादी वाले 30,384 घरों को कवर करने का लक्ष्य दिया गया था। अभियान के दौरान ऐसे बच्चों की पहचान की गई, जो पिछले पोलियो टीकाकरण अभियानों में खुराक लेने से वंचित रह गए थे।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे में कुल 289 बच्चे ऐसे मिले, जो पिछले अभियान में टीकाकरण से छूट गए थे। वहीं, 378 बच्चों ने पिछले दो दौर में कम से कम एक खुराक नहीं ली थी, जबकि 146 बच्चों को दोनों दौर में पोलियो की कोई खुराक नहीं मिली थी। इसके विपरीत 12,786 बच्चों को दोनों दौर की सभी खुराकें मिली थीं।

सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में कैलाभट्ठा, खैराती नगर, मिजार्पुर, विजयनगर प्रथम और विजयनगर द्वितीय शामिल रहे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीमों ने 18,831 परिवारों तक पहुंच बनाई। सर्वे में खसरे के इतिहास वाले 21 घर, डिप्थीरिया का एक घर और एक एक्यूट फ्लैसिड पैरालिसिस (एएफपी) का मामला भी चिह्नित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पांच जून को राज्य सर्विलांस यूनिट से सूचना मिलने के बाद जिला स्तर पर माइक्रोप्लान तैयार किया गया।

1000 मरीजों की ओपीडी, फिर भी डॉक्टरों का टोटा

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 18 जून ।**

ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाला खेड़ीकलां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गंभीर स्टाफ संकट से जूझ रहा है। हालात ऐसे हैं कि प्रतिदिन 800 से 1000 मरीजों की ओपीडी होने के बावजूद यहां मेडिकल ऑफिसर का एक भी नियमित पद भरा नहीं है। चिकित्सकों की कमी के कारण मरीजों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों या जिला नागरिक अस्पताल का रुख करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार केंद्र में मेडिकल ऑफिसर के सात पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में सभी पद खाली हैं।

यहां कार्यरत दो चिकित्सक डेपुटेशन पर भेजे गए हैं, जबकि दो चिकित्सक पीजी की पढ़ाई के लिए अवकाश पर हैं। ऐसे में मरीजों की बढ़ती संख्या का भार सीमित उपलब्ध स्टाफ पर आ गया है।

खेड़ीकलां सीएचसी ग्रामीण क्षेत्र के कई गांवों की स्वास्थ्य जरूरतों का प्रमुख केंद्र है। यहां सामान्य बीमारियों से लेकर गर्भवती महिलाओं और बच्चों के उपचार के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। चिकित्सकों की कमी के चलते मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है और कई मामलों में रेफर करना मजबूरी बन जाता है।

डिलीवरी सुविधा मौजूद लेकिन शिशु रोग विशेषज्ञ नहीं

केंद्र में डिलीवरी सुविधा उपलब्ध होने के कारण आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं प्रसव के लिए यहां पहुंचती हैं। इसके बावजूद यहां शिशु रोग विशेषज्ञ का पद स्वीकृत नहीं है। नवजात शिशुओं या बच्चों को विशेष चिकित्सा की आवश्यकता पड़ने पर उन्हें अन्य अस्पतालों में भेजना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों दोनों की चुनौती खड़ी होती है।

स्वास्थ्य केंद्र का भवन भी चिंता का विषय बना हुआ है। कई वर्ष पहले इसे जर्जर घोषित किया जा चुका है। कोरोना काल के दौरान मरम्मत कर स्थिति को कुछ समय के लिए संभाला गया था, लेकिन अब फिर भवन में टूट-फूट और जर्जरता के संकेत दिखाई देने लगे हैं।

मरीजों और कर्मचारियों को भवन की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। हालांकि केंद्र में नर्सिंग स्टाफ के सभी आठ पद भरे हुए हैं। लैब टेक्नीशियन, डेंटल सर्जन, हेल्थ इंस्पेक्टर और महिला स्वास्थ्य कर्मियों की भी तैनाती है। माइनर ऑपरेशन थियेटर संचालित है। इसके बावजूद फार्मासिस्ट, चिकित्सकों और उन्नत जांच सुविधाओं की कमी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर असर डाल रही है।

टेलीग्राम बैन पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित

कहा-प्रोसीजर और इमरजेंसी पावर के इस्तेमाल की होगी समीक्षा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 18 जून । राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से पहले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। टेलीग्राम की ओर से दाखिल याचिका पर जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने सुनवाई की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली रिव्यू कमेटी ने टेलीग्राम के अधिकारियों की बात सुनी है और उनकी दलीलों को रिकॉर्ड पर लिया गया है। टेलीग्राम की ओर से अदालत में कहा गया कि कानून इस तरह के भेद का प्रावधान नहीं करता। इस पर कोर्ट ने कहा, 'टेलीग्राम की दलील सीधी है कि यदि आधार ही खत्म हो जाता है, तो उसके आधार पर पारित आदेश भी नहीं टिक सकता। हम अंतिम आदेश पर भी विचार करेंगे, इसलिए दोनों पहलुओं पर बहस करना बेहतर होगा।' टेलीग्राम ने केंद्र सरकार के आदेश को कानूनी खामियों से ग्रस्त बताते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से अंतरिम निर्देश की पुष्टि करने की सिफारिश की थी। टेलीग्राम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने दलील दी, 'क्या यह आदेश भारत की अखंडता और संप्रभुता के हित में है? क्या नीट जैसी परीक्षा भारत की संप्रभुता और अखंडता पर असर डालेगी?''

रश्मि देसाई ने बेहद खूबसूरत पुरानी तस्वीरें की शेयर, हुई भावुक

छोटे परदे की एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कुछ बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनके बचपन से लेकर आज तक के सफर की झलक दिखती है। सोशल मीडिया पर तस्वीरों को साझा करते हुए रश्मि काफी इमोशनल नजर आईं। अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जब वह छोटी थीं, तो उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि किस्मत उन्हें कहाँ ले जाने वाली है। लेकिन एक बात तय थी कि उस छोटी रश्मि ने हमेशा अपने अंदर के आत्मविश्वास और चमक को कभी कम नहीं होने दिया, जो आज भी उनके व्यक्तित्व में साफ झलकती है। रश्मि ने अपनी इस पूरी जर्नी के दौरान मिले हर एक सबक, हर उतार-चढ़ाव, मुश्किलों और भगवान से मिले आशीर्वाद का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनके जीवन के इन सभी पुराने अनुभवों का बहुत बड़ा हाथ है, और यही अनुभव उन्हें और मजबूत बनाते हैं। अगर रश्मि देसाई के करियर ग्राफ पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2006 में सीरियल रावण से हिंदी टीवी की दुनिया में कदम रखा था।

देवोलीना नए घर में शिफ्ट हुई

साथ निभाना साथिया से घर-घर में लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी हाल ही में अपने नए घर में शिफ्ट हुई हैं। वह अपने यूट्यूब व्लॉग्स के माध्यम से फैंस को अपने नए घर और उसमें हो रहे बदलावों से अपडेट करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने घर में एक नया मंदिर बनवाया है, जिसे उनके मुस्लिम पति शहनवाज शेख खुद लेकर आए और स्थापित भी करवाया। शहनवाज शेख ने अपने व्लॉग में बताया कि घर बनने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि मंदिर की जगह सही नहीं रखी गई थी, इसलिए उसे बदलना जरूरी हो गया था। इस गलती को सुधारने के लिए उन्होंने अपना पुराना भारी मार्बल का मंदिर एक पंडित को दे दिया, क्योंकि उसकी सफाई में काफी दिक्कत आती थी। अब उन्होंने घर में लकड़ी का एक नया मंदिर स्थापित किया है। लोग उनके इस व्लॉग के बाद काफी खुश हैं और उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। देवोलीना ने दूसरे धर्म में शादी करने के कारण काफी ट्रोलिंग का सामना किया था, लेकिन यह घटना दशार्ती है कि शहनवाज और देवोलीना दोनों एक-दूसरे के धर्म का पूरा सम्मान करते हैं।

वैभव को स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण दिया जाना जरुरी : विशेषज्ञ

मुम्बई, यूटर्न/ 18 जून । 15 साल के उभरते हुए भारत ए टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से श्रीलंका ए के खिलाफ मुकाबले में टीम की हार के बाद आपा खोया है, उस पर खेल विशेषज्ञों ने चिन्ता जतायी है। इन विशेषज्ञों का मानना है कि विरोधी खिलाड़ी वैभव को उकसाने को प्रयास करेंगे, इस प्रकार की स्थित से किस प्रकार से निपटना है ये उन्हें सिखाना पड़ेगा। इनका मानना है कि वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता जिस तेजी से बढ़ रही है। उसको देखते हुए अब मैदान पर उनकी एकाग्रता भंग करने विरोधी टीमें छींटाकशी और मनोवैज्ञानिक दांवपेच का भी सहारा ले सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि श्रीलंका में जिस प्रकार त्रिकोणीय टूर्नामेंट में उन्हें उकसाने का प्रयास हुआ है। उसको देखते हुए हालातों से बचने के लिए उन्हें विशेष स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही कहा कि मैदान पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना उन्हें सीखना होगा। तभी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर सफल होगा।

हाल ही में श्रीलंका-ए के खिलाफ सुपर ओवर में भारत ए की हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और विपक्षी श्रीलंकाई क्रिकेटर विशेन हलाम्बागे के बीच धक्का-मुक्की और तीखी बहस देखी गई थी। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि युवा वैभव को खेल के मानसिक पहलुओं के लिए तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) इसका महत्व को पहले से ही समझती है। यही कारण है कि खिलाड़ियों के शिविर में आने पर उनकी खेल मनोविज्ञान सेवा प्रोफाइल बनाई जाती है। एक मनोवैज्ञानिक के अनुसार उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में 18-19 उच्च प्रदर्शन शिविर लगाए हैं जिससे खिलाड़ियों को उनकी मनोस्थिति को समझाने और उस पर काम करने के तरीके तलाशने में सहायता मिल सके।

इस बार इंग्लैंड के पास फीफा विश्वकप जीतने का सुनहरा अवसर : हैरी केन

लंदन, यूटर्न/ 18 जून । इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन को मानना है कि इस बार उनकी टीम के पास फीफा विश्वकप जीतने का सुनहरा मौका है। केन को उम्मीद है कि जिस प्रकार उन्होंने बायर्न म्यूनिख के लिए सत्र में शानदार प्रदर्शन कर 51 मुकाबलों में 61 गोल किये हैं। वैसा ही प्रदर्शन वह इस बार यहां भी कर पायेंगे। इस स्ट्राइकर का मानना है कि वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को जारी रखते हुए इंग्लैंड को टूर्नामेंट में काफी आगे तक ले जा सकते हैं। केन ने अपनी व्यक्तिगत तैयारी और फॉर्म पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं निजी तौर पर कहूंगा कि यह मानसिक और शारीरिक तौर पर मेरा अब तक का सबसे अच्छा सत्र रहा है। मेरे लिए सीजन का अंत बहुत अच्छा रहा और मैं शारीरिक तौर पर खुद को बहुत अच्छी जय में महसूस कर रहा हूं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि करियर में कुछ चीजें सही समय पर सही जगह पर होनी चाहिए और उन्हें लगता है कि इस टूर्नामेंट के लिए सब कुछ अनुकूल है। टीम को लेकर भी केन उत्साही हैं। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से एक टीम के तौर पर हमारे पास खिताब कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। मुझे लगता है कि हर कोई अच्छी शुरूआत करने और यह साबित करने के लिए बेताब है कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में आगे तक जाने की क्षमता है। इंग्लैंड की टीम को विश्व कप में अपना पहला मैच क्रोएशिया के खिलाफ खेलना है।

कृति सेनन

को अपने निवेश पर मिला शानदार 107 प्रतिशत का रिटर्न

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने अपनी मां गीता सेनन और बहन नूपुर सेनन के साथ मिलकर मुंबई में स्थित अपनी चार आवासीय संपत्तियां बेची हैं, जिससे उन्हें महज 9 वर्षों में अपने निवेश पर शानदार 107 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। जानकारी के अनुसार, सेनन परिवार ने मुंबई के पॉश इलाके अंधेरी वेस्ट स्थित प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट रहेजा क्लासिक में मौजूद चार अपार्टमेंट्स का सौदा किया है। अप्रैल 2026 में हुए इन संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन से कुल 8.88 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। परिवार ने इन प्रॉपर्टीज में कुल 4.30 करोड़ रुपये का शुरूआती निवेश किया था, जिसका अर्थ है कि उन्हें लगभग 4.58 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। यह आंकड़ा कृति की वित्तीय दूरदर्शिता को बखूबी दशार्ता है और साबित करता है कि सही समय पर किया गया निवेश कितना फायदेमंद हो सकता है। इन संपत्तियों को सेनन परिवार ने अलग-अलग समय पर खरीदा था। सबसे पहले, जुलाई 2013 में गीता सेनन ने करीब 1.40 करोड़ रुपये में दो अपार्टमेंट खरीदे थे। इसके बाद, जून 2017 में कृति सेनन और नूपुर सेनन ने उसी प्रोजेक्ट में लगभग 2.90 करोड़ रुपये की लागत से दो और यूनिट्स अपने नाम कीं। कई वर्षों तक इन संपत्तियों को अपने पास रखने के बाद परिवार ने इन्हें बेचने का फैसला किया और अब उन्हें अपने निवेश पर 107 प्रतिशत का बेहतरीन रिटर्न मिला है, जो बाजार विशेषज्ञों के लिए भी एक मिसाल है। बेची गई चार यूनिट्स में से दो बड़े अपार्टमेंट्स प्रत्येक 3.23 करोड़ रुपये में बिके। इन अपार्टमेंट्स का बिल्ट-अप एरिया लगभग 654 वर्ग फुट और कारपेट एरिया 545 वर्ग फुट था, जिसमें एक पार्किंग स्पेस भी शामिल था। शेष दो छोटे अपार्टमेंट्स को लगभग 1.21 करोड़ रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेचा गया। इन सौदों पर लाखों रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और अन्य शुल्क भी अदा किए गए थे, जिसके बाद भी यह मुनाफा उल्लेखनीय है। यह अकेला सौदा नहीं है जो कृति की निवेश यात्रा को दशार्ता है। वह लंबे समय से रियल एस्टेट में सक्रिय रही हैं। पिछले साल, उन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित पाली हिल इलाके में समुद्र के शानदार नजारे वाला एक आलीशान डुप्लेक्स पेंटहाउस खरीदा था, जिसकी कीमत लगभग 88 करोड़ रुपये बताई गई थी। इस घर की सह-मालकिन उनकी मां गीता सेनन भी हैं, जो परिवार की मजबूत वित्तीय साझेदारी को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, अभिनेत्री ने साल 2024 में अलीबाग में द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के प्रोजेक्ट के तहत लगभग 2,000 वर्ग फुट का एक प्लॉट भी खरीदा है। कृति ने इस निवेश को सिर्फ एक संपत्ति नहीं, बल्कि शांति, प्राइवेसी और भविष्य की एक मजबूत योजना का हिस्सा बताया था। बता दे कि कृति सेनन इन दिनों न केवल अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत रही हैं, बल्कि उनकी वित्तीय समझदारी और निवेश कौशल ने भी उन्हें चर्चा का विषय बना दिया है।

'पर्सनल ट्रेनर 2' में नया अवतार दिखाएंगी टीना दत्ता, बोलीं- 'मैं और मेरा किरदार दोनों फिटनेस की शौकीन'

ओटीटी की दुनिया में नई वेब सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर 2' को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसमें टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता फिटनेस ट्रेनर नेहा मल्होत्रा नाम का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि वह भूमिका से तुरंत जुड़ गईं, क्योंकि असल जिंदगी में फिटनेस उनके जीवन का अहम हिस्सा है। वह योग, जिम और पिलेट्स रोजाना करती हैं, जिससे उन्हें इस किरदार को समझने में आसानी हुई। अभिनेत्री टीना दत्ता ने कहा, ''मेरा किरदार नेहा मल्होत्रा फिटनेस की शौकीन है। उसके कई शेड्स हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, इस किरदार की असली सच्चाई और उसके अलग-अलग पहलू धीरे-धीरे सामने आते जाएंगे। यही इस भूमिका को दिलचस्प बनाता है।'' टीना दत्ता ने कहा, ''इस सीरीज में दर्शक मुझे एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो पहले मैंने कभी नहीं निभाया था। जैसे ही मुझे इस शो के पहले सीजन की कहानी समझ आई थी, तभी मैंने दूसरे सीजन के लिए तुरंत हामी भर दी थी। यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में एक नया और अलग अनुभव जोड़ने वाला है।'' इस सीरीज में टीना के साथ आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीना दत्ता ने सीरी में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, ''शूटिंग के दौरान मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा, खासकर आकांक्षा पुरी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

बांग्लादेश : अवामी लीग कार्यकर्ता के भाई पर हमला, पार्टी बोली- 'देश में डर का माहौल'

» ढाका, यूटर्न/ 18 जून ।

बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। हालिया मामला अवामी लीग से जुड़े कार्यकर्ता के भाई पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ा है। गुरुवार को अवामी लीग ने कुश्तिया जिले के कुमरखाली उपजिला में पार्टी के एक कार्यकर्ता के परिवार के सदस्य पर कथित रूप से हुए गंभीर हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की।

अवामी लीग के अनुसार, कुमरखाली उपजिला में पार्टी की युवा इकाई जूबो लीग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस. एम. रफीक के छोटे भाई को उस समय हमला किया गया जब वह नगरपालिका कार्यालय में नागरिक प्रमाणपत्र (सिविक सर्टिफिकेट) लेने गया था। बाद में उसे इलाज के लिए कुश्तिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पार्टी ने कहा, 'यह कोई अलग-थलग घटना नहीं है। 1 मई 2025 को एस.एम. रफीक खुद एक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित घटना का केंद्र बने थे, जब

पार्टी ने कहा, 'यह कोई अलग-थलग घटना नहीं है। 1 मई 2025 को एस.एम. रफीक खुद एक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित घटना का केंद्र बने थे, जब उन्हें शहीद गोलम किबरिया पुल क्षेत्र से ले जाया गया था।

उन्हें शहीद गोलम किबरिया पुल क्षेत्र से ले जाया गया था। उस घटना पर देशभर में व्यापक मीडिया कवरेज और सार्वजनिक बहस हुई थी। लेकिन आज, एक साल से अधिक समय बाद, उनके ही परिवार का एक और सदस्य हिंसा का शिकार हुआ है।

अवामी लीग ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं बांग्लादेश में 'राजनीतिक धमकी, भीड़ हिंसा और डर के माहौल' के बढ़ते चलन को दशार्ती हैं।

आलोचकों का हवाला देते हुए पार्टी ने कहा कि ये हमले कथित रूप से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार के तहत और अधिक सामान्य हो गए हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों पर गंभीर सवाल उठते हैं। पार्टी ने यह भी सवाल उठाया कि आखिर एक परिवार को कितनी बार इस तरह की हिंसा झेलनी पड़ेगी। अवामी लीग पर लगातार कार्रवाई को लेकर चिंता जताते हुए, पार्टी नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद अली अराफात ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों से पार्टी के 100 से अधिक पूर्व सांसद, मंत्री और केंद्रीय नेता बिना मुकदमे के जेल में बंद हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यदि उन पर आरोप सही हैं, तो फिर उन्हें बिना मुकदमे के क्यों रखा जा रहा है और फर्जी मामलों की जरूरत क्यों पड़ रही है। अराफात ने यह भी सवाल उठाया कि क्या अवामी लीग नेताओं पर लगे आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं और क्या उन्हें बदनाम करने के लिए झूठे मामले बनाए जा रहे हैं।

दुनिया के 13 देशों पर गंभीर भुखमरी का संकट, यूएन की नई रिपोर्ट ने लाखों लोगों को लेकर जताई चिंता

» रोम, यूटर्न/ 18 जून ।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने दुनिया के कई क्षेत्रों में भोजन की गंभीर कमी को लेकर चेतावनी जारी की है। एफएओ और डब्ल्यूएफपी कहा है कि जून और नवंबर 2026 के बीच 'भुखमरी के हॉटस्पॉट' माने जाने वाले 13 देशों में लाखों लोगों के लिए गंभीर खाद्य असुरक्षा की स्थिति और अधिक खराब होने की आशंका है।

खाद्य संकट के खिलाफ वैश्विक नेटवर्क (जीएनएएफसी) के जरिए साल में दो बार जारी होने वाली हंगर हॉटस्पॉट्स रिपोर्ट के लेटेस्ट एडिशन में, सूडान, साउथ सूडान, यमन और फि लिस्तीन को भूख की गंभीरता और उसके बड़े पैमाने के मामले में दुनिया के सबसे गंभीर भुखमरी के हॉटस्पॉट के तौर पर पहचाना गया है। रिपोर्ट में नाइजीरिया को सबसे अधिक चिंता वाले देशों की सूची में शामिल किया गया है।

अनुमान है कि बोर्नो राज्य के कुछ इलाकों में लोगों को आने वाले समय में खाद्य असुरक्षा के विनाशकारी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति में भुखमरी, मौत, अत्यधिक गरीबी और गंभीर कुपोषण जैसी समस्याएं स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा, सोमालिया भी इसी श्रेणी में है। सोमालिया के खाड़ी क्षेत्र के बुरहाकाबा जिले की आबादी अकाल के गंभीर खतरे का सामना कर रही है। इन इलाकों में लड़ाई और हिंसा, खाने की गंभीर कमी की मुख्य वजह बनी हुई हैं, जिससे 13 में से 12 हॉटस्पॉट पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

ईरान से संवर्धित यूरेनियम बाहर नहीं ले जाया जाएगा: बघाई

तेहरान, यूटर्न/ 18 जून । ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि ईरान अपनी इस बात पर कायम है कि देश से संवर्धित यूरेनियम बाहर नहीं ले जाया जाएगा। श्री बघाई ने ईरानी टेलीविजन पर कहा, 'हमने शुरू से ही कहा है कि संवर्धित सामग्री देश से बाहर नहीं ले जाई जाएगी। एक विकल्प ईरान के भीतर ही इसकी सांद्रता कम करना (डाउन-ब्लेंडिंग) है। यह कोई नया विकल्प नहीं है। उनका यह बयान संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की घोषणा के बाद दिया। उम्मीद है कि इसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम और ईरान पर लगे प्रतिबंधों को लेकर बातचीत होगी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने एमओयू का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिका अंतिम समझौते के 30 दिनों के भीतर ईरान से सटे इलाकों से अपने सैनिक हटा लेगा और तब तक अतिरिक्त बल तैनात नहीं करेगा। समझौते के चौथे पैराग्राफ में लिखा है, 'अमेरिका अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर के 30 दिनों के भीतर ईरान से सटे इलाकों से सैनिक हटाने का भी वादा करता है। साथ ही, दस्तावेज के नौवें पैराग्राफ के अनुसार, समझौते पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका इस क्षेत्र में अतिरिक्त बल नहीं भेजेगा।

अमेरिका और ईरान ने युद्ध समाप्त करने को लेकर समझौता ज्ञापन पर किये हस्ताक्षर

पेरिस, यूटर्न/ 18 जून । अमेरिका और ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर दिया। इस समझौत पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के दौरान पेरिस के वर्सेल्स पैलेस में दस्तखत किये, जबकि ईरान के राष्ट्रपति पजशकियान ने तेहरान में हस्ताक्षर किये। दोनों नेताओं के हस्ताक्षर के बाद भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह पांच बजे से यह समझौता प्रभावी हो गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 14 सूत्रीय समझौते में कहा गया है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होंगे। साथ ही इसमें ईरान के 'पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास' के लिए 300 अरब डॉलर के कोष का प्रावधान किया गया है।

ट्रंप ने कहा मोदी मेरे पक्के दोस्त, भारत पर हमला हुआ तो देंगे साथ

जी-7 शिखर सम्मेलन में हुई वन टू वन चर्चा

» एवियन, यूटर्न/ 18 जून ।

जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बुधवार शाम एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच पिछले 16 महीनों से चले आ रहे तनावों पर खुलकर चर्चा की गई। हालांकि इस बैठक में किसी बड़े नए समझौते की घोषणा नहीं हुई, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत के प्रति मजबूत समर्थन दोहराते हुए कहा कि अगर भारत पर कोई हमला होता है तो अमेरिका मदद के लिए पहुंचेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के संबंध रूसी तेल खरीद, भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क और पाकिस्तान के साथ अमेरिका के बेहतर होते संबंधों जैसे मुद्दों पर कुछ हद तक तनावग्रस्त रहे हैं। बैठक के बाद आयोजित

संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, भारत पर कोई भी हमला करेगा तो हम मदद के लिए वहां पहुंचेंगे। उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगियों की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि ये सभी लोग भारत से प्यार करते हैं। जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि उनके कार्यकाल में भारत में कई कदमों को नापसंद किया गया है, तो ट्रंप ने जवाब दिया, वॉशिंगटन में अभी भारत का बहुत अच्छा मित्र है। मुझे मालूम नहीं कि समस्या कहां हुई।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तरफ इशारा करते हुए जोड़ा, जब तक यह व्यक्ति सत्ता में है, हम भारत पर कोई खतरा होने पर मदद करेंगे। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत और अमेरिका के बीच कोई औपचारिक रक्षा समझौता नहीं है जो एक देश पर हमला होने पर दूसरे को सैन्य मदद प्रदान करने के लिए बाध्य करे। ऐसे में ट्रंप के इस बयान को एक व्यक्तिगत या राजनीतिक आश्वासन माना जा सकता है, न कि किसी औपचारिक कानूनी संधि का हिस्सा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रपति ट्रंप को पश्चिम एशिया युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन साथ ही भारतीय नाविकों की सुरक्षा और इस युद्ध के कारण उन्हें हो रही समस्याओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से भारत सहित अन्य देशों को होने वाली समस्याओं पर भी प्रकाश डाला, यह कहते हुए कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और भारतीय नाविकों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मोदी ने जोर दिया कि ये नाविक अपनी सेवाओं से पूरी दुनिया की मदद कर रहे हैं।

अमेरिका-ईरान समझौते का पाकिस्तान ने किया स्वागत

पीएम शहबाज बोले- तुरंत खुलेगा होर्मुज स्ट्रेट

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 18 जून ।

अमेरिका और ईरान के बीच महीनों के संघर्ष के बाद समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर गुरुवार को हस्ताक्षर हुआ। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे ऐतिहासिक 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू)' बताया और कहा कि होर्मुज स्ट्रेट तुरंत खोल दिया जाएगा। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक 'इस्लामाबाद समझौता' पर आज (गुरुवार को) हस्ताक्षर हो गए हैं। इस एमओयू पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने साइन किए और मध्यस्थ के तौर पर मैंने भी इसे मंजूरी दी है। इस समझौते पर हस्ताक्षर होना संघर्ष के कूटनीतिक समाधान के लिए दोनों

पक्षों की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

पीएम शहबाज ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच जो समझौता हुआ है, उसे तुरंत प्रभाव से लागू किया जाएगा। समझौते के तहत ईरान होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोल देगा। वहीं अमेरिका तुरंत नौसेना की नाकाबंदी हटा देगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को बधाई दी और सराहना करते हुए कहा कि उनकी (ट्रंप की) कूटनीति के प्रति प्रतिबद्धता और शांतिपूर्ण समाधान को प्राथमिकता देने ने एक बार फिर उस लड़ाई को खत्म करने में मदद की है जिसके नतीजे इस इलाके और उससे आगे भी खतरनाक हो सकते थे।

पांचवीं बार इंजेक्शन की जरूरत क्यों पड़ी, इलाज योग्य डॉक्टरों से कराया जाए

इमरान खान को फिर ले गए अस्पताल, बहन ने सरकार पर उठाए सवाल

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 18 जून ।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व पीएम इमरान खान महीनों से आंखों की तकलीफ से जूझ रहे हैं। जेल प्रशासन इलाज के लिए पांचवीं बार उन्हें अस्पताल ले गया। अब उनके परिवार ने इस मामले को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाए हैं। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा है कि सरकार की ओर से मुहैया कराई गई जानकारी पर उन्हें भरोसा नहीं है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 15 जून की सुबह उन्हें जानकारी मिली कि इमरान खान को एक बार फिर अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल की ओर से पहले भी इमरान खान की स्थिति को लेकर 'संदिग्ध दावे' किए गए हैं, जिनमें यह कहा गया था कि उनकी 90 फीसदी दृष्टि ठीक हो चुकी है, जबकि इमरान खान ने स्वयं इन दावों को खारिज किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अलीमा खान ने सवाल

उठाया कि आखिर इमरान खान को पांचवीं बार इंजेक्शन की जरूरत क्यों पड़ रही है और मांग की कि उनका इलाज स्वतंत्र और योग्य विशेषज्ञों से कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की ओर से उनके अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है और अदालत के आदेशों के बावजूद परिवार को उनसे नियमित रूप से मिलने नहीं दिया जा रहा। अलीमा ने दावा किया कि कोर्ट ने इमरान खान से हर मंगलवार छह परिवार के सदस्यों को मिलने की इजाजत दी थी, लेकिन पिछले कई महीनों से इस आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। इमरान खान को जेल मैनुअल के मुताबिक कई अधिकार मिले हैं, जिनमें परिवार से नियमित मुलाकात, वकीलों से संपर्क, किताबें और समाचार तक पहुंच, तथा उचित चिकित्सा सुविधा शामिल हैं, लेकिन इन अधिकारों का पालन नहीं हो रहा। पाक मीडिया के मुताबिक अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इमरान खान को सोमवार को फॉलो-अप इलाज के लिए पीआईएमएस लाया गया था, जहां उन्हें आंखों की बीमारी के लिए एक और एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिया गया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *